समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र एवं समस्याएँ :
(Field, Scope & Problems of Social Psychology)

~~समाज मनोविज्ञान को निर्धारित करना कठिन~~

समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र एवं समस्याओं को निर्धारित करना कठिन है। इसके दो कारण है। एक तो इसका ~~अध्ययन~~- विषय - अध्ययन (subject study) व्यापक तथा विस्तृत है। इसके अन्तर्गत विकासात्मक मनोविज्ञान बाल मनोविज्ञान, तुलनात्मक मनोविज्ञान, शिक्षा मनोविज्ञान, असामान्य मनोविज्ञान, प्रयोगात्मक मनोविज्ञान आदि से आवश्यक सामग्रियों को शामिल किये बिना समाज मनोविज्ञान का क्षेत्र (scope) को निर्धारित करना कठिन है तथा इसकी समस्याओं को निश्चत करना संभव नहीं है।

इसके अलावा भी समाज मनोविज्ञान का गहरा सम्बंध दूसरे सामाजिक विज्ञानों जैसे :- समाजशास्त्र (sociology), अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र (Political science), मानवशास्त्र (Anthropology) आदि से भी है। दूसरा कारण यह है कि विज्ञान की हैसियत से समाज मनोविज्ञान का इतिहास बहुत छोटा है। समाज मनोविज्ञान का वैज्ञानिक इतिहास 1908 में प्रकाशित मैक्डूगल (McDougal, 1908) की पुस्तक "Social Psychology) से आरंभ हुआ और तब से इसका क्षेत्र तेजी से बढ़ता और विस्तृत होता रहा है। इस कारण भी समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र या इसकी समस्याओं का ~~समाधान~~ निर्धारण करना कठिन बन गया है। इन कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए समाज मनोविज्ञान के क्षेत्र तथा इसके समस्याओं के समाधान हेतु निम्न खंडों में विभाजित किया जा सकता है :-

1. व्यक्ति व्यवहार (Individual behaviours).
2. समाजीकरण (socialization)
3. समूह तथा समूह व्यवहार (group & group behaviours)
4. भीड़ तथा भीड़ व्यवहार (crowd & crowd behaviours)
5. नेतृत्व तथा नेतृत्व व्यवहार (Leadership & leadnship behaviours)
6. मनोवृत्ति, स्थिरावृत्ति एवं पूर्वधारणा (Attitude, stereotype & Prejudice)
7. प्रेरणा तथा संज्ञान (Motivation & cognition)
8. प्रचार, जनमत एवं अफवाह (Propaganda, Public opinion & rumour)
9. भाषा तथा संचार (Language & communication).
10. व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण तथा सामाजिक प्रत्यक्षीकरण (Person Perception & social perception)
11. भूमिका तनाव (Role strain).
12. सामाजिक तनाव तथा समूह संघर्ष (social tension & group conflicts)
13. आक्रमण तथा उग्रता (Aggression & violence)

1. व्यक्ति व्यवहार (Individual behaviour) :-
समाज मनोविज्ञान का मौलिक ~~आधार~~ सम्बंध व्यक्ति-व्यवहार से है लेकिन व्यक्ति-व्यवहार की अनेक विमाएं (dimensions) हैं। जैसे: सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक आदि। समाज मनोविज्ञान का सम्बंध केवल सामाजिक विमा से है। अतः समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत समाज के होने वाले व्यक्ति के अनुभव एवं व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। अतः अपने इस ~~अध्ययन~~ क्षेत्र के अन्तर्गत समाज मनोविज्ञान कई समस्याओं के समाधान का प्रयास करता है।

2. समाजीकरण (Socialization) :-
समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत समाजीकरण की समस्या महत्वपूर्ण है जटिल भी है। समाजीकरण का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा बच्चे या व्यक्ति अपने समाज के नियमों, मापदंडों, मूल्यों, एवं रीति-रिवाजों के अनुकूल व्यवहार करना सीख लेता है। ऐसे व्यवहार को हम सामाजिक व्यवहार कहते हैं। दूसरी ओर जो व्यवहार भिन्न होता है, उसे असामाजिक व्यवहार कहते हैं। जैसे: ~~समाजस्य~~ जन्म के समय बच्चे न तो सामाजिक होते हैं और न ही असामाजिक। अतः समस्या यह है कि बच्चे असामाजिक क्यों बन जाते हैं वे क्यों असामाजिक व्यवहारों को सीख लेते हैं? उनमें सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं विकसित हो पाते हैं तथा उन्हें पुनः सामाजिक कैसे बनाया जाए। इन सारी समस्याओं का समाधान का प्रयास समाज मनोविज्ञान के अन्तर्गत किया जाता है।

2. समूह तथा समूह व्यवहार (group & group behaviour):
समाज मनोविज्ञान का सम्बंध ~~सामाजिक~~ व्यक्ति से है, समूह से नहीं, बल्कि व्यक्ति व्यवहार (Individual behaviour) से है समूह व्यवहार से नहीं लेकिन व्यक्ति व्यवहार पर समूह सम्बद्धता (group affiliation) का प्रभाव पड़ता है जिसके कारण एक व्यक्ति व्यवहार अकेले में तथा समूह के समान नहीं हो पाता है। समूह व्यवहार के कारण व्यक्ति का व्यवहार भिन्न-2 हो जाता है।

अतः समाज मनोविज्ञान के प्रयत्न के कारण समूह से सम्बंधित अनेक बातों तथा समूह की रचना, इसके कार्य, इसकी प्रगतिशीलता, समूह बल (group morale) आदि का अध्ययन किया जाता है। लेकिन इस क्षेत्र में एक जटिल समस्या यह है कि समूह परिस्थिति (group situation) में व्यक्ति-व्यवहार क्यों बदल जाता है।
इन समस्याओं के समाधान का प्रयास समाज मनोवैज्ञानिक करते हैं।

2. नेतृत्व तथा नेतृत्व-व्यवहार (Leadership & leardership behaviour) :- समाज मनो